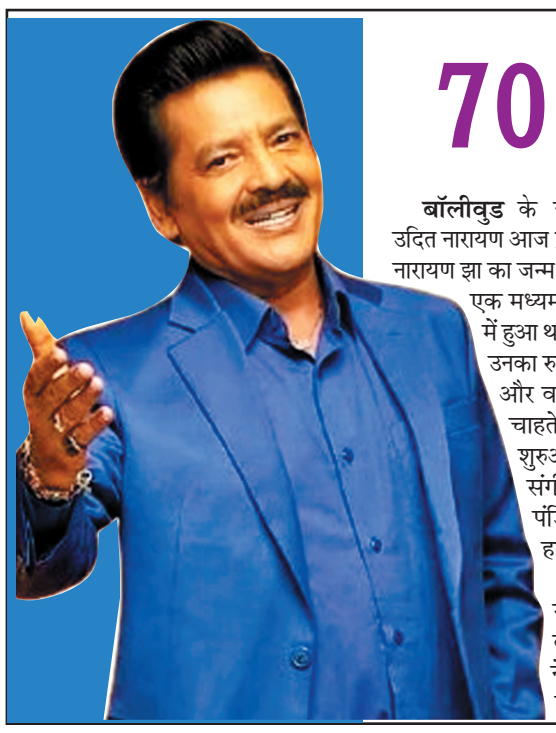

70 वर्ष के हुए उदित नारायण

बॉलीवुड के जानेमाने पार्श्वगायक उदित नारायण आज 70 वर्ष के हो गये.उदित नारायण झा का जन्म एक दिसंबर 1955 को एक मध्यम वर्गीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था. बचपन के दिनों से ही उनका रुझान संगीत की ओर था और वह पार्श्वगायक बनना चाहते थे. इस दिशा में शुरुआत करते हुए उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पंडित दिनकर कैकिनी से हासिल की.

उदित नारायण ने गायक के रूप में अपने करियर की शुरुआत नेपाल में आकाशवाणी से की जहां वह लोक संगीत का कार्यक्रम पेश किया करते थे. लगभग आठ वर्ष तक नेपाल के आकाशवाणी मंच से जुड़े रहने के बाद वह 1978 में मुंबई चले गये और भारतीय विद्या मंदिर में स्कॉलरशिप हासिल कर शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेने लगे.

वर्ष 1980 में उदित नारायण की मुलाकात मशहूर संगीतकार राजेश रौशन से हुयी जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचान करके अपनी फिल्म 'उन्नीस बीस' में पार्श्वगायक के रूप में उन्हें काम करने का मौका दिया लेकिन दुर्भाग्य से यह फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह नकार दी गयी. इस बीच उदित नारायण ने 'गहरा जख्म', 'बड़े दिल वाला', 'तन बदन', 'अपना भी कोई होता' और 'पत्तों की बाजी' जैसी बी और सी ग्रेड वाली फिल्मों में पार्श्वगायन किया लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई खास फायदा नहीं पहुंचा.

लगभग दस वर्ष तक मायानगरी मुंबई में संघर्ष करने के बाद 1988 में नासिर हुसैन की आमिर खान अभिनीत फिल्म 'कयामत से कयामत तक' में अपने गीत 'पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा' की सफलता के बाद उदित नारायण गायक के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गये. कयामत से कयामत तक की सफलता के बाद उदित नारायण को कई अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गये जिनमें राम अवतार,त्रिदेव ,महासंग्राम ,दिल ,सौगंध,फूल और कांटे जैसी बड़े बजट की फिल्में शामिल थीं. इन फिल्मों की सफलता के बाद उदित नारायण ने सफलता की नयी बुलंदियों को छुआ और एक से बढ़कर एक गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया.

भावनाओं तक पहुंचना विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत का कहना है कि यदि कलाकार अपनी भावनाओं तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कलाकार बन ही नहीं सकते है.

कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है. अपनी परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है. इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है. उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है. कुब्रा सैत ने इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैंने सीखा कि यदि आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप कलाकार बन ही नहीं सकते. हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुंचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा.

छोटे शहरों की प्रतिभाओं को अवसर दें : सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी का कहना है कि छोटे शहरों की प्रतिभाओं को उचित अवसर दिया जाना चाहिये. रचनात्मकता और संस्कृति का जश्न मनाने वाले दुनिया के सबसे बड़े उत्सवों में से एक इंडिया फ़िल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) के 15वें एडिशन की शुरुआत 29 नवंबर को मुंबई के महबूब स्टूडियो में हुई और इस रोचक सेशन की शुरुआत हुई, अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के सेशन से, जिसका शीर्षक था 'रूटेड इन रिएलिटी' यानी 'वास्तविकता में रचा बसा'. वैभव मुंजाल के साथ इस खुले और ईमानदार संवाद में सिद्धांत ने अपनी अभिनय यात्रा के साथ आज के भारतीय सिनेमा और असली भारत की कहानियाँ बताने के महत्व पर दिल से ढेर सारी बातें की.

'गली बॉय' और 'गहराइयाँ' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर सिद्धांत चतुर्वेदी से आज के एंटरटेनमेंट माहौल पर बात करते हुए जब पूछा गया कि क्या आज के दौर में कलाकारों को कंटेंट क्रिएटर्स से प्रतिस्पर्धा महसूस होती है ? तो उन्होंने बिना झिझक जवाब देते हुए कहा, 'यदि आप कह रहे हैं कि कम्पिटीशन है, तो हाँ, है. लेकिन इसे खतरे के रूप में देखने के बजाय, इसे सिनेमा की पुरानी स्टार कल्चर से जोड़ा जाए तो बेहतर होगा.

पहले के समय में भी इतने स्टार्स थे, जिनमें बच्चन साहब, धरमजी, राजेंद्र कुमार, राजेश खन्ना, दिलीप कुमार, शम्मी जी, ऋषि जी, संजीव कुमार का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है. सो तब भी ध्यान खींचने की होड़ थी, क्योंकि कोई दूसरा माध्यम नहीं था. लेकिन मुझे लगता है कि एक अच्छी फिल्म हमेशा टिकती है, और अच्छा कंटेंट हमेशा याद रहता है.'

अरिजीत का रूमानी गाना 'गहरा हुआ' रिलीज

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर के ट्रेलर की धमाकेदार रिलीज़ के बाद अब निर्माताओं ने 'गहरा हुआ' नाम का रूमानी गाना भी दुनिया के सामने प्रस्तुत कर दिया है. गाने में फिल्म के नायक रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन को दिखाया गया है. इस गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज़ दी है. यूट्यूब पर रिलीज़ हुए गाने में दोनों किरदारों की केमिस्ट्री दिख रही है.

आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त भी अहम रोल में हैं. हाल ही में रिलीज़ हुए चार मिनट और आठ सेकंड के ट्रेलर में एक-एक करके खास किरदारों को दिखाया गया है. इसकी शुरुआत एक बेरहम टॉर्चर सीन से होती है, जिसमें अर्जुन रामपाल मेजर इकबाल, उर्फ 'मौत का फरिश्ता' के रोल में हैं जो 'भारत को हज़ार कट लगाकर खून बहाने' की कसम खाता है. आर. माधवन भारतीय जासूस अजय सान्याल के रोल में हैं, जो खतरे को खत्म करने के लिए दुश्मन के इलाके में घुसने का पक्का इरादा रखते हैं.

मरमेड लुक में भारती ने जीता दिल

मशहूर कॉमेडियन और फैंस की चहिती स्टार भारती सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं. वजह है उनका शानदार और ग्लैमरस दूसरा मैटरनिटी फोटोशूट, जिसकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं.

भारती सिंह अपनी पहली प्रेग्नेंसी के दौरान भी अपने अनोखे अंदाज, खुलकर हंसने-बोलने और दिल छू लेने वाले मोमेंट्स के लिए खूब पसंद की गई थीं.

अब दूसरी बार मां बनने की खुशियों के बीच उन्होंने अपने फैंस को एक और प्यारा सरप्राइज दिया है. इस फोटोशूट में भारती ने ब्लू शेड का फिश-कट स्टाइल गाउन पहना है, जिस पर बड़े सफेद फ्लावर लगे हैं. यह लुक उन्हें न सिर्फ ग्लैमरस बनाता है बल्कि मॉडर्न मातृत्व की एक अनोखी झलक भी पेश करता है. अपने आउटफिट के साथ भारती ने मिनिमल मेकअप अपनाया है.

दूरदर्शन पर शुरू हुआ जन-जन में राम

भारतीय टेलीविजन पर धार्मिक और ऐतिहासिक कथाओं की लोकप्रियता हमेशा ऊंची रही है. इसी परंपरा को विस्तारित करते हुए दूरदर्शन ने अपनी नई पेशकश 'जन जन में राम' को प्रसारित किया है, जो भगवान श्रीराम के वनगमन पथ की यात्रा को दर्शकों तक पहुंचाने का एक प्रयास है. इस सीरीज में कहानी सिर्फ रामायण की परंपरागत कथाओं तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह उन स्थानों, मार्गों और सांस्कृतिक विरासत को भी प्रमुखता देती है, जिन्हें अक्सर कम दिखाया गया है. सीरीज में श्रीराम का किरदार निभा रहे अनिकेत राय को दर्शक नए अंदाज में देख रहे हैं. उनकी अभिव्यक्ति, वाणी और व्यक्तित्व इस आध्यात्मिक यात्रा से जुड़ाव पैदा करता है. लक्ष्मण की भूमिका में देवांग सिंह और सीता के रूप में अनुष्का अवस्थी भी अपनी सरल और शालीन अदाकारी से दर्शकों का ध्यान खींचती हैं. शो में राम के मार्ग की खोज करने वाली युवा टीम क्षितिज, अपर्णा और अन्य पात्र सीरीज में आधुनिकता और कनेक्टिविटी का स्पर्श जोड़ते हैं. सीरीज की शूटिंग चित्रकूट और अयोध्या जैसी पवित्र स्थलों पर हुई है, जिससे इसका हर फ्रेम आध्यात्मिकता से भरपूर नजर आता है. इन लोकेशन्स का चयन न सिर्फ दृश्य सौंदर्य बढ़ाता है, बल्कि श्रीराम की यात्रा को वास्तविकता के करीब लाता है. निर्देशक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी इस प्रकार की ऐतिहासिक कहानियों को सजीव बनाने में माहिर माने जाते हैं. 'चाणक्य' और 'पिंजर' के बाद उनका यह काम भी दर्शकों के बीच चर्चा में है

तान्या पर वार! अशनूर को सलमान की फटकार

बिग बॉस 19 का यह हफ्ता हर मायने में हाई वोल्टेज ड्रामे से भरपूर रहा. टिकट टू फिनाले टास्क के दौरान अशनूर कौर और तान्या मित्तल के बीच हुई भिड़ंत ने न सिर्फ घर में तनाव बढ़ाया, बल्कि दर्शकों तक भी यह विवाद पहुंच गया. टास्क के दौरान अशनूर ने लकड़ी के फट्टे से तान्या को मारा, जिसे लेकर सोशल मीडिया पहले ही दो गुटों में बंट चुका है. ऐसे में वीकेंड का वार आते ही माहौल और गरम हो गया है. सलमान खान साफ तौर पर नाराज दिखते हैं और अशनूर को घर के नियमों की याद दिलाते हैं. सलमान कहते हैं कि यह सिर्फ गलती नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया अटैक था. अशनूर भले ही इसे गलती बताकर बचने की कोशिश करती नजर आईं, लेकिन सलमान उनकी बात काटते हुए गुस्से में कहते हैं 'ये लग गई लग गई क्या है? आपने जिस तरह मारा है, वो जानबूझकर किया गया है.' सलमान इतना ही नहीं, वह एक्शन करके भी दिखाते हैं कि फट्टा किस तरीके से फेंका गया था. इसके बाद वे घर के नियमों पर जोर देते हुए कहते हैं कि बिग बॉस के घर में हिंसा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाती. नियम के मुताबिक, किसी भी कंटेस्टेंट द्वारा की गई हिंसा पर उसे घर से सीधा बेदखल किया जा सकता है. अशनूर की इस हरकत से निर्माताओं ने उन्हें शो से बाहर करने का निर्णय ले लिया.

वी शांताराम बायोपिक में तमन्ना की हुई एंट्री

दिग्गज फिल्ममेकर वी शांताराम पर आधारित इस बायोपिक में तमन्ना और सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी.

रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म शांताराम की शुरुआती संघर्षों, उनके क्रिएटिव विजन और भारतीय सिनेमा में उनके ऐतिहासिक योगदान को सामने लाएगी. 'झनक झनक पायल बाजे' और 'दो आंखें बारह हाथ' जैसी क्लासिक फिल्मों के डायरेक्टर शांताराम की जिंदगी पर फिल्म बनाना अपने आप में बड़ी जिम्मेदारी है. इस भूमिका में सिद्धांत और तमन्ना का चयन निर्देशक अभिजीत देशपांडे ने सोच-समझकर किया है. अभिजीत देशपांडे पहले भी अपनी फिल्मों और लेखन में गहरी रिसर्च और सशक्त कहानी कहने के लिए प्रशंसा पा चुके हैं. उनकी मराठी फिल्म 'अनी... डॉ. काशीनाथ घनेकर' और 'नटसम्राट' को क्रिटिक्स और दर्शकों ने काफी सराहा था. ऐसे में शांताराम बायोपिक से भी उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं. तमन्ना भाटिया के फैंस इस खबर के सामने आते ही खुश हैं. यह पहली बार होगा जब तमन्ना और सिद्धांत एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे.

तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी नई चॉइसेज़ और बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं. दक्षिण भारतीय फिल्मों से लेकर बॉलीवुड तक, तमन्ना ने हमेशा अपनी एक्टिंग, ग्लैमरस अप्रोच और वर्सेटाइल रोल्स से दर्शकों का दिल जीता है. अब खबर है कि पैन इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया के हाथ एक बड़ा और बेहद अहम प्रोजेक्ट लगा है, जिसने उनके फैंस को उत्साहित कर दिया है.

ऑटोमोबाइल

मारुति ई-विटारा : पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी में क्या मिलेगा खास

मारुति सुज़ुकी अपनी पहली पूरी तरह बिजली से चलने वाली एसयूवी मारुति ई-विटारा को 2 दिसंबर को भारतीय बाजार में उतारने जा रही है. कंपनी ने इसे आधार से नया बनाकर तैयार किया है, इसलिए इसका बाहरी ढांचा, अंदरूनी माहौल और तकनीकी संरचना—तीनों ही पक्ष बिल्कुल आधुनिक और आकर्षक रूप में सामने आते हैं. गाड़ी के बाहरी हिस्से की बनावट मजबूत और रौबदार रखी गई है. मोटे पहिया-खांचे, भारी बम्पर और पूरे बदन पर दी गई सुरक्षा-पट्टी इसकी एसयूवी जैसी पहचान को और मजबूत करते हैं.

आगे की ओर 'वाई' आकार वाली प्रकाश-रेखाएँ और तीखे अगुआ दीपक इसे सड़क पर अलग ही पहचान देते हैं, जबकि पीछे एक समान शैली में बनाए गए प्रकाश-पुंज इसे संतुलित रूप प्रदान करते हैं. अंदर आते ही सबसे बड़ा बदलाव महसूस होता है. ई-विटारा के केबिन को मारुति ने अपने सभी पुराने मॉडलों से बिल्कुल अलग बनाया है. दो-रंग वाले काला-टैन माहौल, चमकदार सतहों और नए प्रकार के दो-डंडी स्टीयरिंग व्हील ने अंदरूनी हिस्से को प्रीमियम स्पर्श दिया है. सीटों की बनावट नरम स्पर्श वाली सेमी-लेदरिट सामग्री से तैयार की गई है, जिससे लंबी यात्रा में आराम बना रहे.

गाड़ी में दो अलग-अलग सूचना-पट्टिकाएँ दी गई हैं एक बड़ा स्पर्श-पटल और एक चालक प्रदर्शन पटल. दोनों ही आधुनिक शैली के हैं, जिससे जानकारी को पढ़ना और गाड़ी के आदेश चलाना सहज हो जाता है. सुविधाओं के स्तर पर भी यह गाड़ी किसी से कम नहीं दिखती. ऊपर की ओर काँच छत का विस्तार पूरे केबिन को खुलापन देता है, जबकि अगली हवा-दार सीटें गर्मी में आराम बढ़ाती हैं. चालक सीट को दस प्रकार से समायोजित किया जा सकता है, जिससे हर ऊँचाई और कद के व्यक्ति को बेहतर बैठने की सुविधा मिलती है.

नई किआ सेल्टोस का टीजर पेश, मिले शानदार फीचर्स

किआ ने अपनी लोकप्रिय मिडसाइज एसयूवी, सेल्टोस, की नई जेनरेशन का पहला टीजर जारी कर दिया है. कंपनी ने इस नई सेल्टोस में कई प्रीमियम और आधुनिक फीचर्स शामिल किए हैं, जो इसे पहले से कहीं अधिक आकर्षक बनाते हैं. यह एसयूवी 10 दिसंबर को भारत में पेश की जाएगी और भारत में लॉन्च साल 2026 की पहली छमाही में होने की संभावना है.

टीजर में नई सेल्टोस के फ्रंट और रूफ की झलक दिखाई गई है. सामने की तरफ वाइड टाइगर-फेस ग्रिल और शार्प एलईडी हेडलैम्प्स इसे मस्कुलर लुक देते हैं. इसके दोनों तरफ वर्टिकल डीआरएल फिट किए गए हैं और सी-शेप एलईडी सिग्नेचर लाइट्स एसयूवी को प्रीमियम लुक देती हैं. नीचे की तरफ मोटा सिल्वर स्किड प्लेट एसयूवी के ठोस और मजबूत डिजाइन को बढ़ाता है.

इसके अलावा, नई सेल्टोस में एलईडी वेलकम एनीमेशन और पैनोरामिक सनरूफ जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं, जो ड्राइविंग अनुभव को और रोमांचक बनाते हैं. एसयूवी के साइड प्रोफाइल में ब्लैक्ड-आउट पिलर्स, रिट्रेक्टेबल डोर हैंडल्स, सैटिन क्रोम ट्रिम और नए डिजाइन के अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं. विंडो लाइन को किंक्ड शेप में डिजाइन किया गया है, जो इसे स्टाइलिश बनाता है. पीछे की तरफ कारेंस क्लाविस जैसी एलईडी लाइट बार दी गई है, साथ ही स्पोर्टी रूफ स्पॉइलर और सिल्वर स्किड प्लेट एसयूवी को बोल्ड रियर प्रोफाइल देते हैं. यह डिजाइन न केवल आकर्षक है बल्कि इसे सड़क पर और भी पहचान देती है.

नई किआ सेल्टोस का मुकाबला ह्युंडई क्रेटा, टाटा सिएरा, मारुति सुजुकी विक्टोरिस, ग्रैंड विटारा, टोयोटा हाईराइडर, होंडा एलीवेट, वोक्सवैगन टाइगुन, स्कोडा कुशाक, एमजी ऐस्टर और आने वाली रेनॉल्ट डस्टर व निसान टेकटन जैसी एसयूवी से होगा.

विशेषज्ञों के अनुसार, नए फीचर्स और प्रीमियम लुक के साथ यह एसयूवी मिडसाइज सेगमेंट में कड़ा मुकाबला देने की क्षमता रखती है. कुल मिलाकर, किआ सेल्टोस की नई जेनरेशन भारतीय एसयूवी बाजार में तकनीक, स्टाइल और प्रीमियम अनुभव का बेहतरीन मेल पेश करती है.

सुजुकी जिक्सर 250: दमदार फ्लेक्स फ्यूल मोटरसाइकिल

भारतीय बाजार में सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल जिक्सर 250 का नया फ्लेक्स फ्यूल वर्जन पेश किया है. यह मोटरसाइकिल ई20 से ई85 तक के पेट्रोल के साथ चल सकती है, जिससे ईथेनॉल के मिश्रण के साथ भी इसे आसानी से चलाया जा सकता है. जिक्सर 250 में 249 सीसी क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन लगाया गया है.

यह मोटरसाइकिल 27.25 बीएचपी की पावर और 22 न्यूटन मीटर का टॉर्क देती है. इसमें छह स्पीड ट्रांसमिशन भी है, जो शहर की ट्रैफिक हो या खुली सड़क, दोनों पर संतोषजनक प्रदर्शन देता है. ऊंचे गियर पर अचानक एक्सीलेरेटर दबाने पर थोड़ी आवाज़ हो सकती है, लेकिन सामान्य सवारी में यह मोटरसाइकिल स्मूद और आरामदायक रहती है इस मोटरसाइकिल में एलईडी हेडलाइट, एलईडी टेल लैंप और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लास्टर जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं. स्मार्टफोन कनेक्टिविटी की सुविधा भी है, जो दिन और रात की सवारी को और आसान बनाती है.

हालांकि, इंडीकेटर अभी भी हेलोजन के साथ आते हैं, जिन्हें एलईडी में अपग्रेड किया जा सकता है. नए अलॉय व्हील्स और फ्लेक्स फ्यूल बैज भी इस बाइक के स्टाइल और पहचान को बढ़ाते हैं. जिक्सर 250 का माइलेज लगभग 32 किलोमीटर प्रति लीटर है. इसे करीब 500-600 किलोमीटर तक शहर और खुली सड़क दोनों परिस्थितियों में चलाकर टेस्ट किया गया. लंबे समय तक चलाने पर सीटिंग पोजिशन के कारण हल्का कंधे में दर्द महसूस हो सकता है, लेकिन सामान्य सवारी में यह समस्या कम रहती है.

भारत का पहला एआई-आधारित एंटी-ड्रोन पेट्रोल वाहन

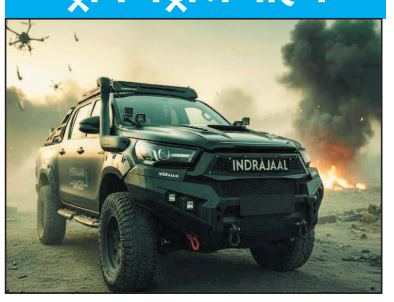

हैदराबाद में स्थित इंद्राजाल ड्रोन रक्षा कंपनी ने भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित एंटी-ड्रोन पेट्रोल वाहन, इंद्रजाल रेंजर लॉन्च कर दिया है. यह वाहन पूरी तरह से मोबाइल और बुद्धिमान प्रणाली द्वारा संचालित है, जो चलते-फिरते ड्रोन को पहचानने, ट्रैक करने और निष्क्रिय करने में सक्षम है.

पारंपरिक एंटी-ड्रोन सिस्टम आम तौर पर स्थिर होकर ही काम करते हैं, जबकि इंद्रजाल रेंजर को खासतौर पर मोबाइल ड्रोन-रोधी अभियानों के लिए तैयार किया गया है. इसे मजबूत टोयोटा हिलक्स 4म4 प्लेटफ़ॉर्म पर तैयार किया गया है, जिससे यह कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में भी प्रभावी रूप से काम कर सकता है. वाहन 10 किलोमीटर तक ड्रोन का पता लगा सकता है और 4 किलोमीटर की दूरी पर खतरे को निष्क्रिय कर सकता है. इसमें पांच किलोमीटर तक पकड़ और नियंत्रण, तीन किलोमीटर तक सॉफ्ट किल और दो किलोमीटर तक हार्ड किल करने की क्षमता है, जो इसे हर प्रकार के ड्रोन हमले से निपटने में सक्षम बनाती है. इंद्रजाल रेंजर की प्रभावशीलता का श्रेय इसके संपूर्ण साइबर टेकओवर यूनिट, ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम स्पूफिंग तकनीक, रेडियो फ्रीक्वेंसी जैमिंग क्षमता और स्प्रिंग-लोडेड स्वायत्त नाश स्विच को जाता है. ये विशेषताएँ इसे छोटे क्वाडकॉप्टर ड्रोन से लेकर समूह हमलों जैसे उन्नत खतरों से सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम बनाती हैं. इसके अतिरिक्त, यह वाहन स्थिर या टावर-आधारित प्रणालियों के लिए सीमित क्षेत्रों में भी सुरक्षा प्रदान कर सकता है.